संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार — CCRT Newsletter

खण्ड 4 • अंक 05 • मई 2026 — Volume 4 • Issue 05 • May, 2026

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

अत्यधिक गहनतापूर्वक देकार्त ने ईश्वर के अस्तित्व को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। ईश्वर का अस्तित्व है यह बताने के लिए कुछ तर्कों का उपयोग किया और तर्क महत्वपूर्ण हैं। ईश्वर के प्रति हमारे मन में धारणा होती है। हम उसका मनन (मेडिटेशन) करते हैं। उस पर हम विचार करते हैं। इस का मतलब यह है कि उस क्षण से हम ईश्वर के अस्तित्व को मान लेते हैं। ऐसा मान लेने से ईश्वर-अस्तित्व के बारे में अनिश्चितता तथा संभवनीयता यह संकल्पनाएँ दूर हो जाती हैं। उन्होंने ईश्वर के अस्तित्व के बारे में दूसरा तर्क यह दिया है कि यदि यह सत्य नहीं है तो हमारे आत्मा के अस्तित्व का कोई कारण नहीं है। अपितु वह तो हमारा आदिरूप है। ईश्वर शाश्वत, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान तथा सभी वस्तु का रचनाकार है। ईश्वर संपूर्ण दृष्टि से एक 'तत्व' का यह अर्थ है कि ऐसी वस्तु कि जिसका अस्तित्व बिना किसी की मदद से 'स्वतंत्र' है। केवल ईश्वर ही ऐसा तत्व है।

जिस प्रकार स्वप्न में दिखाई देने वाली हर वस्तु हमें सच्ची लगती है, उसी प्रकार हमारी बुद्धि में प्रवेश करने वाली हर वस्तु हमें सच्ची लगती है। किन्तु वह सच नहीं होती। देकार्त के अनुसार जागृत अवस्था के विचार हमारे स्वप्न में आ सकते हैं, किन्तु ये विचार सच्चे नहीं होते। देकार्त केवल 'मैं' को ही सत्य मानते हैं। उनके अनुसार ''मैं विचार करता हूँ इसीलिये मैं हूँ'' (आय थिंक, देअरफोर आय एम) 'मैं' नामक यह बात शरीर से भिन्न है। इस 'मैं' का संबंध बाहरी जगत् से नहीं है। इस 'मैं' को अपना अस्तित्व प्रकट करने के लिए किसी स्थान की आवश्यकता नहीं है। इस 'मैं' का अस्तित्व भौतिक पदार्थों पर भी निर्भर नहीं करता। देकार्त का कहना है कि यह 'मैं' आत्मा है और वह शरीर से संयुक्त है। उनके अनुसार ऐसी स्पष्ट धारणा वाली वस्तुएँ सत्य होती है, इसीलिए 'मैं' आत्मा है, यह बात सत्य है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

मई 2026 की प्रमुख गतिविधियाँ

सीसीआरटी परिवार के लिए ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अवसर

31 मई 2026 को सीसीआरटी परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक अवसर के रूप में स्मरणीय रहा, जब संस्था में नेतृत्व परिवर्तन के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर जी की गरिमामयी उपस्थिति में नवनियुक्त निदेशक श्री पप्पुंजय कुमार जी ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया, वहीं निवर्तमान निदेशक श्री राजीव कुमार जी को उनके सफल एवं समर्पित कार्यकाल के लिए सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने दोनों निदेशकों को शुभकामनाएँ दी तथा सीसीआरटी की समृद्ध सांस्कृतिक एवं शैक्षिक परंपराओं को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

यह समारोह सीसीआरटी परिवार की एकता, संस्थागत मूल्यों तथा सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर सभी के लिए स्मरणीय रहा।

कार्यशाला (प्रशिक्षण) अनुभाग/ WORKSHOP (TRAINING) SECTION

"शिक्षा में नाट्यकला" विषय पर कार्यशाला

(07 से 11 मई, 2026 डाइट, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड)

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग, टिहरी गढ़वाल के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा में नाट्यकला' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 7 से 11 मई 2026 तक डाइट, टिहरी गढ़वाल में किया गया। इस कार्यशाला में 100 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञों द्वारा नाट्य खेल, आइसब्रेकर, शारीरिक भाषा, कहानी सुनाना, पटकथा लेखन, सांस्कृतिक विरासत, राजभाषा विकास तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में नाट्यकला की भूमिका पर व्याख्यान एवं प्रायोगिक सत्र आयोजित किए गए। संवाद कौशल, आत्मविश्वास एवं संवाद क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने उत्तराखंड की लोक-सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित आकर्षक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे कार्यशाला और अधिक प्रेरणादायी बनी।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

सीसीआरटी के क्षेत्रीय केन्द्र दमोह में डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) एवं प्रभारी, क्षेत्रीय केन्द्र दमोह के आधिकारिक दौरे के अंतर्गत "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जागेश्वर नाथ धाम, बाँदकपुर; हटा की उपकाशी एवं सीतानगर क्षेत्र के भ्रमण एवं सर्वेक्षण के दौरान क्षेत्र में बिखरी एवं संरक्षित महत्वपूर्ण पांडुलिपियों से संबंधित बहुमूल्य जानकारियाँ एकत्रित कीं। इसी संदर्भ में मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री आदरणीय श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सीसीआरटी, क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह की सराहना करते हुए कहा कि "ज्ञान भारतम् मिशन" के माध्यम से प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण एवं संवर्धन एक अत्यंत सराहनीय एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण अनुभाग द्वारा 'ज्ञान भारतम् मिशन' ऐप पर कुल 602 पांडुलिपियाँ अपलोड की जा चुकी हैं।

दैनिक भास्कर दमोह 08-05-2026

दमोह में अब तक 97, बांदकपुर में 14, डॉ. श्यामसुंदर दुबे से 3 और नरेंद्र बजाज के पास 2 पांडुलिपियां मिलीं

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

सीसीआरटी के 47वें स्थापना दिवस पर कला, संस्कृति और ज्ञान का भव्य संगम

31 मई 2026 को सीसीआरटी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर कला, संस्कृति, संगीत और ज्ञान को समर्पित भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संस्था की 47 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में उसके महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रोफेसर शिशिर वर्मा ने **"महान कला और मैं – वैश्विक परिप्रेक्ष्य"** विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

समारोह में पद्म विभूषण स्वर्गीय आशा भोसले जी को समर्पित सीआरपीएफ सेंट्रल ऑर्केस्ट्रा द्वारा सिंक्रोनाइज्ड संगीत प्रस्तुति तथा सीसीआरटी के कलाकारों द्वारा उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, नवनियुक्त निदेशक श्री पप्पुंजय कुमार सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वर्ष 2025-26 हेतु युवा कलाकार छात्रवृत्ति योजना (SYA) के परिणाम घोषित

संस्कृति मंत्रालय के छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति अनुभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए "युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना (Scheme for Award of Scholarships to Young Artists & SYA)" के परिणाम घोषित कर मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। उक्त परिणामों को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है। वर्ष 2025-26 में कुल 400 छात्रवृत्तियाँ 'युवा कलाकार छात्रवृत्ति योजना (SYA)' के अंतर्गत दी गयी हैं।

इन्वेस्टिचर सेरेमनी एवं रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान-2026

22 मई 2026 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में "इन्वेस्टिचर सेरेमनी एवं रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान-2026" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीआरटी के छह प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति धारकों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में इन छात्रों ने राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" तथा राष्ट्रगान की गरिमामयी प्रस्तुति दी।

इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के माननीय गृह मंत्री द्वारा किया गया, जिसने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। सीसीआरटी के छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा संयोजित इस प्रस्तुति ने देशभक्ति की भावना, सांस्कृतिक उत्कृष्टता तथा सीसीआरटी की छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत तराशी जा रही युवा प्रतिभाओं की असाधारण क्षमता को बेहद सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) अपने युवा छात्रवृत्ति धारकों को यह प्रतिष्ठित मंच प्रदान करने तथा इस प्रस्तुति को सफल व अविस्मरणीय बनाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा दिए गए सहयोग, समन्वय, प्रोत्साहन और आत्मीय समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

ग्रीष्मकालीन शिविर "इंद्रधनुष-2026: विकसित भारत", नई दिल्ली

सीसीआरटी द्वारा विस्तार सेवा एवं समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत 20 से 31 मई, 2026 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 07 से 16 वर्ष आयु के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर **"इंद्रधनुष-2026: विकसित भारत"** का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में 320 बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह शिविर बच्चों के लिए आनंदमय एवं अनुभवात्मक अधिगम का एक सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया, जिसके माध्यम से उन्हें सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धतियों द्वारा भारतीय कला एवं संस्कृति के विविध आयामों से परिचित कराया गया। प्रदर्शनकारी कलाओं, दृश्य कलाओं, साहित्यिक कलाओं तथा पारंपरिक शिल्पों के समन्वय के माध्यम से यह पहल बच्चों में कलात्मक संवेदनशीलता, रचनात्मक अभिव्यक्ति, अनुशासन तथा सांस्कृतिक चेतना का विकास करने का प्रयास किया गया।

शिविर में प्रदर्शनकारी, दृश्य एवं साहित्यिक कलाओं की निम्नलिखित विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया - शास्त्रीय नृत्य - भरतनाट्यम, कथक, समकालीन नृत्य, लोक नृत्य, शास्त्रीय संगीत - हिन्दुस्तानी गायन, कलारीपयट्टु, रंगमंच (थिएटर), भारतीय चित्रकला, सुलेख (कैलिग्राफी), फिल्म निर्माण, रेडियो एंकरिंग, कहानी कहने की कला, इसके साथ ही पारंपरिक शिल्पों की व्यावहारिक कक्षाएँ : मिट्टी का

कार्य (पॉटरी), पेपियर मैश्ई, मधुबनी चित्रकला, पेपर क्राफ्ट, मोती का कार्य (बीड्स वर्क), पुतली बनाना, टाई एंड डाई, गंजीफा चित्र, पठ् चित्रकला, पेपर क्विलिंग, मैक्रम एवं सिक्की घास शिल्प आदि।

20 मई, 2026 को शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली नगर निगम के माननीय महापौर श्री प्रवेश वाही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पालम विधान सभा की पार्षद श्रीमती सीमा विजय पंडित, सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर तथा सीसीआरटी के उपनिदेशक डॉ. राहुल कुमार उपस्थित रहे।

माननीय महापौर एवं सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष द्वारा दिए गए प्रेरणादायी सम्बोधन ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उत्साहित किया। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवापीढ़ी को "विकसित भारत" के निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को अपनी रचनात्मकता, अनुशासन एवं ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

21 मई, 2026 को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री कमलेश कुमार मिश्रा, सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर तथा सीसीआरटी के निदेशक श्री राजीव कुमार ने शिविर में चल रहे कला एवं शिल्प सत्रों का अवलोकन किया तथा बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया।

प्रतिभागी बच्चों ने पारंपरिक शिल्प कलाओं जैसे मिट्टी शिल्प (पॉटरी), पेपियर मैश्ई, मधुबनी चित्रकला, टाई एंड डाई, मनका कार्य (बीड्स वर्क), गुड़िया निर्माण, पेपर क्विलिंग, मैक्रमे, सौरा चित्रकला तथा विलुप्तप्राय कला रूपों गंजीफा एवं सिक्की घास शिल्पकला के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया।

उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने बच्चों की कल्पनाशीलता, आत्मविश्वास एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना की तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत की पारंपरिक कला विधाओं के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। बच्चों एवं अतिथियों के बीच हुए आनंदमय संवाद तथा प्रेरणादायी वातावरण ने इस दिन को अत्यंत स्मरणीय बना दिया। इस अवसर ने प्रत्येक बच्चे को अपनी कलात्मक प्रतिभा को गर्व एवं उत्साह के साथ विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान अभ्यास की कुछ छलकियाँ

दिनांक 31 मई, 2026 को ग्रीष्मकालीन शिविर का सिद्धि समारोह हुआ। इस अवसर पर सीसीआरटी की संस्थापक श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय को माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें दस दिवसीय शिविर के दौरान बच्चों द्वारा सीखी गई हस्तशिल्प कलाओं का प्रदर्शन किया गया। माननीय अध्यक्ष एवं उपनिदेशक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों से संवाद करते हुए उनके कलात्मक कार्यों की सराहना की। सीसीआरटी के उपनिदेशक डॉ. राहुल कुमार ने सभी अतिथियों, आमंत्रित संसाधन व्यक्तियों, मास्टर क्राफ्ट व्यक्तियों, दर्शकों एवं बच्चों के अभिभावकों का हार्दिक स्वागत किया।

इसके पश्चात बच्चों ने भरतमुनि नाट्यगृह में अपनी-अपनी कला विधाओं की थीम आधारित प्रस्तुति दी। प्रस्तुत किए गए कला रूपों में प्रमुख रूप से शामिल थे- शास्त्रीय नृत्य - भरतनाट्यम एवं कथक, समकालीन नृत्य, लोक नृत्य - भांगड़ा। शास्त्रीय संगीत - हिन्दुस्तानी गायन एवं वादन, कलारीपयट्टू, रंगमंच (थिएटर), फिल्म निर्माण, रेडियो एंकरिंग एव कहानी कहने की कला।

अपने मुख्य उद्बोधन में सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर ने छात्रों के अद्भुत उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी में वह क्षमता है जो भारत को "विकसित भारत" की दिशा में आगे ले जा सकती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

ग्रीष्मकालीन शिविर को विशेष बनाने के लिए विलुप्तप्राय कला रूपों को भी सम्मिलित करने का प्रयास किया गया, जिनमें ओडिशा की गंजीफा चित्र तथा बिहार की सिक्की घास शिल्पकला विशेष रूप से उल्लेखनीय था। बच्चों ने अत्यंत प्रसन्नता, उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ शिविर की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। यह स्मरणीय कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ संपन्न हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया।

ग्रीष्मकालीन शिविर "इंद्रधनुष-2026: विकसित भारत", हैदराबाद, तेलंगाना

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के सहयोग से 4 से 14 मई 2026 तक ग्रीष्मकालीन शिविर 'इंद्रधनुष - 2026: विकसित भारत' का आयोजन किया गया। दस दिवसीय इस शिविर ने बच्चों को पारंपरिक कला, शिल्प, कहानी सुनाने, नाट्यकला और रचनात्मक शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने का एक जीवंत मंच प्रदान किया। समापन समारोह में सीसीआरटी के उप निदेशक डॉ. राहुल कुमार, आरसी हैदराबाद के सलाहकार श्री वाई. चंद्र शेखर, फील्ड ऑफिसर श्रीमती सौंदर्या कौशिक, संसाधन विशेषज्ञ, अभिभावक और उत्साही प्रतिभागी उपस्थित थे। अपने समापन भाषण में, डॉ. राहुल कुमार ने बच्चों को कला और शिल्प के क्षेत्र में लगन और उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही संसाधन विशेषज्ञों और आयोजकों के अथक प्रयासों की सराहना की।

ग्रीष्मकालीन शिविर "इंद्रधनुष-2026: विकसित भारत", उदयपुर, राजस्थान

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर द्वारा "इंद्रधनुष-2026- विकसित भारत" ग्रीष्मकालीन शिविर मिकाडो इंटरनेशनल विद्यालय में उत्साहपूर्वक किया गया। भारतीय संस्कृति, लोक कला एवं पारंपरिक शिल्पों से विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में प्रथम दिवस 120 बालक-बालिकाओं ने सहभागिता की। उद्घाटन अवसर पर भारतीय लोक कला मण्डल के निदेशक डॉ. लईक हुसैन द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिविर में लोक नृत्य, मूकाभिनय, मृण शिल्प, पेपरमेशी, माँड़ना कला एवं पतंग निर्माण जैसी विविध गतिविधियों में बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं रचनात्मकता के साथ भाग लिया।

उन्नत संकाय विकास कार्यक्रम

सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के चार अधिकारियों – उप निदेशक डॉ. राहुल कुमार और अनुभव सिंह, साथ ही फील्ड अधिकारी चंद्रमौली त्रिपाठी और सौंदर्या कौशिक ने हैदराबाद स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान में क्षमता निर्माण आयोग द्वारा आयोजित 5 दिवसीय (दिनांक 11 से 15 मई, 2026) उन्नत संकाय विकास कार्यक्रम (Advanced Faculty Development Program) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न मंत्रालयों और संगठनों के सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षक, मास्टर प्रशिक्षक और संकाय सदस्य शामिल हुए। गहन प्रशिक्षण में उन्नत शिक्षण पद्धतियों, नवीन प्रशिक्षण विधियों और क्षमता निर्माण पहलों में अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में सहभागिता सीसीआरटी की व्यावसायिक उत्कृष्टता, नवाचार तथा समकालीन शिक्षण पद्धतियों के अनुरूप प्रशिक्षण एवं शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.)**, निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति) **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I) **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक (छात्रवृत्ति) **श्री आशुतोष**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II, सामान्य प्रशासन एवं उत्पादन) **श्री अनुभव सिंह**, उप निदेशक (प्रशासन) **श्री राम सरन**, उप निदेशक (वित्त)	**डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री आशुतोष**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली – 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर